Ans. (a) : डूंगरपुर एवं बांसवाड़ा क्षेत्र (राजस्थान दक्षिणी-पश्चिम भाग) में बोली जाने वाली बोली वागड़ी है। भीली बोली इसकी सहायक बोली है। वागड़ी बोली पर गुजराती भाषा का प्रभाव अधिक है। ग्रियर्सन ने इसे भीलों की बोली की संज्ञा दी।

428. निम्नलिखित में से किस बोली पर गुजराती भाषा का स्पष्ट प्रभाव है?

(a) मालवी (b) वागड़ी
(c) मेवाती (d) हाड़ौती

कनिष्ठ वैज्ञानिक सहायक (सीरम) -2019
कनिष्ठ अभियंता (यांत्रिक) डिप्लोमा धारक -2020
RPSC Van Rakshak Exam 11.12.2022 Shift-I

Ans. (b) : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

429. वागड़ी राजस्थान के किस क्षेत्र में बोली जाती है?

(a) जोधपुर एवं बीकानेर (b) उदयपुर एवं राजसमंद
(c) डूंगरपुर एवंबांसवाड़ा (d) जयपुर एवं सीकर

Compailer Exam - 21.08.2016
वनपाल भर्ती परीक्षा-2020 (06.11.2022)

Ans. (c) : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

430. वागड़ी बोली राजस्थान के .....भाग में बोली जाती है।

(a) उत्तर-पूर्वी (b) दक्षिण-पूर्वी
(c) दक्षिण-पश्चिमी (d) पश्चिमी

कनिष्ठ अनुदेशक (वेल्डर) भर्ती परीक्षा-2018

Ans. (c) – उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

431. उदयपुर, भीलवाड़ा और चित्तौड़गढ़ में कौन सी बोली ज्यादातर बोली जाती है?

(a) मेवाड़ी (b) बागड़ी
(c) मालवी (d) रांगड़ी

स्टेनोग्राफर भर्ती परीक्षा-2019
Head Cleark Combined Exam-2018

Ans. (a) : मेवाड़ी बोली राजस्थान में भीलवाड़ा, चित्तौड़गढ़, उदयपुर और राजसमन्द क्षेत्र में बोली जाती है। मेवाड़ी राजस्थान में मारवाड़ी के बाद दूसरी महत्वपूर्ण बोली है। महाराणा कुम्भा द्वारा रचित नाटकों में मेवाड़ी बोली का ही प्रयोग किया गया है।

432. रांगड़ी बोली किन बोलियों का मिश्रण है?

(a) हाड़ौती एवं मालवी (b) मारवाड़ी एवं मालवी
(c) मेवाड़ी एवं मालवी (d) मेवाती एवं मालवी

कनिष्ठ अभियंता (कृषि) सीधी भर्ती परीक्षा-10.09.2022

Ans. (b) – रांगड़ी बोली राजपूतों में प्रचलित मारवाड़ी और मालवी बोली के सम्मिश्रण से बनी है, जो राजस्थान के दक्षिण-पूर्वी भाग में बोली जाती है।

433. मेवाती बोली से सम्बन्धित जिला कौन सा है?

(a) अजमेर (b) अलवर
(c) कोटा (d) सीकर

पुस्तकालयाध्यक्ष ग्रेड-III परीक्षा तिथि:19-09-2020

Ans. (b) – राजस्थान के अलवर एवं भरतपुर जिलों का क्षेत्र मेव जाति की बहुलता के कारण मेवात के नाम से जाना जाता है। अतः यहां की बोली मेवाती कहलाती है। यह सीमावार्ती बोली है। उद्भव एवं विकास की दृष्टि से मेवाती पश्चिमी हिन्दी एवं राजस्थानी के मध्य सेतु का कार्य करती है। लालदासी एवं चरणदासी संत सम्प्रदायों का साहित्य मेवाती भाषा में ही रचा गया है।

434. ''ठटकी'' उपबोली किस भाषा से संबंधित है?

(a) मेवाड़ी (b) ढूंढ़ाड़ी
(c) मारवाड़ी (d) हाड़ौती

RPSC G.K. & Agronomy 29.08.2022

Ans. (c) : ठटकी, मारवाड़ी की उप बोली है।इसकी अन्य उप बोलियां मेवाडी,वागडी, शेखावटी, थली, बीकानेरी है। मारवाड़ी का प्राचीन नाम मरूभाषा है। यह पश्चिमी राजस्थान के जोधपुर, जैसलमेर, बीकानेर, शेखावटी क्षेत्र की बोली है। मारवाड़ी के साहित्य को डिंगल कहा जाता है।

435. अलवर जिले के बहरोड़ और मुण्डावर में कौनसी बोली बोली जाती है?

(a) रांगड़ी (b) हाडौती
(c) मेवाड़ी (d) अहीरवाटी

कनिष्ठ वैज्ञानिक सहायक (विष)-2019

Ans. (d) – अहीरवाटी बोली राजस्थान के उत्तर पूर्वी क्षेत्र के अलवर जिले के बहरोड़, मुण्डावर व किशनगंज के पश्चिमी भाग में बोली जाती है। इसे राठी बोली भी कहते हैं। हम्मीररासों महाकाव्य की बोली अहीरवाटी ही है। अहीरवाटी एवं मेवाती बोलियां उत्तर-पूर्वी राजस्थान में बोली जाती है।

436. अहीरवाटी और मेवाती बोलियाँ किस क्षेत्र में बोली जाती हैं?

(a) पश्चिमी राजस्थान (b) मध्य-पूर्वी राजस्थान
(c) उत्तर-पूर्वी राजस्थान (d) दक्षिणी राजस्थान

कनिष्ठ अनुदेशक (कोपा) भर्ती परीक्षा-2018
हाथकरघा निरीक्षक (उद्योग विभाग) भर्ती परीक्षा -2018

Ans. (c) – राजस्थान की भाषा एवं बोलियाँ को उनके क्षेत्र के आधार पर मुख्यतः चार शाखाओं में विभाजित किया गया है, जिसमें 'अहीरवाती तथा मेवाती' बोलियाँ राजस्थान में ''उत्तर-पूर्वी'' क्षेत्र के किशनगढ़, बहरोड, अलवर, भरतपुर इत्यादि जिलों में बोली जाती है।

437. हाड़ौती बोली राजस्थान के किस भाग में बोली जाती है?

(a दक्षिण-पूर्वी (b) दक्षिण-पश्चिमी
(c) उत्तर-पूर्वी (d) मध्य

कनिष्ठ अनुदेशक (मैकनिक रेफ्रिजरेशन) 2018

Ans. (a) – राजस्थान में हाड़ौती बोली पूर्वी राजस्थान के कोटा, बूंदी, झालावाड़ जिलों में बोली जाती है। हाड़ौती, ढूँढ़ाती, तोरावटी बोलियां मध्य-पूर्वी राजस्थानी भाषा समूह अंतर्गत शमिल है।

438.'हाड़ौती' बोली राजस्थान के जिस क्षेत्र में प्रायः नहीं बोली जाती वह क्षेत्र है–

(a) भरतपुर (b) झालावाड़ (c) कोटा (d) बूंदी

उत्तर–(a) **RPSC RAS/RTS-1993**

व्याख्या– उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

439. राजस्थानी भाषा का उत्पत्ति काल है–

(a) ग्यारहवीं शताब्दी
(b) बारहवीं शताब्दी का प्रारम्भिक चरण
(c) तेरहवीं शताब्दी का प्रारम्भिक काल
(d) चौदहवीं शताब्दी

उत्तर - (b)

RPSC RAS/RTS 1996